Roll No. .....

Y – 2485

B. Ed. (Second Semester) EXAMINATION, May/June-2021

TEACHING OF SANSKRIT

CC-2

PEDAGOGY OF SCHOOL SUBJECT-I

Time : Three Hours

Maximum Marks : 75 *Minimum Pass Marks : 30*

नोट– **खण्ड 'अ'** में दिये गये चौदह प्रश्नों में से किन्हीं ग्यारह प्रश्नों को हल कीजिये। प्रत्येक प्रश्न हेतु 5 अंक निर्धारित हैं। शब्द सीमा 100-150। **खण्ड 'ब'** में दिए गये **चार** प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों को हल कीजिये। प्रत्येक प्रश्न हेतु 10 अंक निर्धारित हैं। शब्द सीमा 400-500 शब्द।

खण्ड (अ)

1. भारतीय समाज में संस्कृत के महत्व को स्पष्ट कीजिये।
2. संस्कृत में कक्षा शिक्षण के प्रमुख सामान्य सिद्धान्त कौन–कौन से हैं?
3. संस्कृत शिक्षण में व्याख्या के महत्व पर प्रकाश डालिए।
4. शिक्षण युक्तियों से आप क्या समझते हैं? संस्कृत शिक्षण में कौन–कौन सी प्रमुख शिक्षण युक्तियों का प्रयोग किया जाता है? संक्षेप में वर्णन कीजिये।
5. संस्कृत काव्य से आप क्या समझते हैं? संस्कृत काव्य की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिये।
6. विभिन्न स्तरों पर संस्कृत काव्य शिक्षण के क्या उद्देश्य हो सकते हैं?
7. संस्कृत व्याकरण शिक्षण को रोचक एवं भागपूर्ण बनाने के लिये आप क्या करेंगे?
8. रचना से क्या अभिप्राय है? संस्कृत रचना शिक्षण के क्या उद्देश्य हो सकते हैं? स्पष्ट कीजिये।
9. "माध्यमिक विद्यालयों की कक्षाओं में संस्कृत रचना शिक्षण की अवज्ञा की जाती है।" इस कथन की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिये।
10. सिद्ध कीजिये कि सस्वर पाठ का सामाजिक महत्व बहुत अधिक है। सस्वर पाठ के दोषों में सुधार हेतु संक्षेप में उपाय सुझाऐं।
11. "उच्चारण की अशुद्धता से वर्तनी दोष होता है।" स्पष्ट कीजिये।
12. संस्कृत में छात्र किस प्रकार की उच्चारण अशुद्धियाँ करते हैं? उच्चारण की अशुद्धियों के निराकरण में शिक्षक की भूमिका बताइये।

P.T.O.

13. किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिये–

(अ) परीक्षण निर्माण में ब्लू प्रिंट की उपयोगिता।

(ब) वस्तुनिष्ठ परीक्षण की विशेषता।

(स) संस्कृत शिक्षक का प्रभावपूर्ण व्यक्तित्व।

14. हरबार्ट के पदों के उपयोग ने शिक्षण विधि को एक लोहे की शृंखला में जकड़ दिया है।" स्पष्ट कीजिये।

खण्ड (ब)

1. संस्कृत शिक्षण के प्रमुख उद्देश्य कौन-कौन से हैं? उल्लेख करते हुए स्पष्ट कीजिये कि संस्कृत शिक्षक के लिए शिक्षण उद्देश्यों का ज्ञान क्यों आवश्यक है?
2. संस्कृत शिक्षण में कक्षा नबीं के लिए कोई एक पद्य पाठ्य योजना तैयार कीजिये।
3. प्रशिक्षण महाविद्यालयों में पाठ-योजना पर अधिक बल क्यों दिया जाता है? क्या प्रशिक्षण के उपरांत दैनिक कक्षा शिक्षण में इसका उपयोग सम्भव है, अपने विचार व्यक्त कीजिये।
4. संस्कृत को जीवित भाषा के रूप में अध्ययन करने हेतु क्या आप संस्कृत की वर्तमान पाठ्य पुस्तकों की विषयवस्तु के ढाँचे में परिवर्तन की आवश्यकता का अनुभव करते हैं? अपने दृष्टिकोण को सोदाहरण तर्कों द्वारा पुष्ट कीजिये।